विशेषण

गुण - मीठा आम, सुन्दर फूल
रंग - काला घोड़ा, तिरंगा झण्डा
अवस्था - मेहनती किसान, दयालु भगवान
परिमाण - एक किलो आटा, दो लिटर तेल
संख्या - चार बच्चे, पहली बात
कई आदमी, काफी किताबें

ऊपर के उदाहरणों में कुछ शब्द अन्य शब्दों के गुण, रंग, अवस्था, परिमाण, संख्या आदि विशेषताएँ बताते हैं। ऐसे शब्दों को 'विशेषण' कहते हैं। जिन शब्दों की विशेषता बताई जाती है, उनको विशेष्य या 'संज्ञा' कहते हैं। मीठा आम में मीठा विशेषण है और आम संज्ञा (विशेष्य)। इसी प्रकार अन्य विशेषताओं को पहचानिए।

विशेषण के मुख्य चार भेद होते हैं –

१. गुणवाचक विशेषण

२. संख्यावाचक विशेषण

३. परिमाणवाचक विशेषण

४. सार्वनामिक विशेषण

१. गुणवाचक विशेषण : शब्द-युग्म में पहले आने वाला शब्द, जब संज्ञा (विशेष्य) के गुण, स्वभाव, स्थान, आकार, रंग, अवस्था, काल आदि बताता है, उसे 'गुणवाचक विशेषण' कहते हैं ;

जैसे – गुण - खट्टा अंगूर, चतुर लड़की
स्वभाव - ईमानदार लड़का, डरपोक आदमी
स्थान - सम्बलपुरी साड़ी, भारतीय किसान
बनारसी पान, ग्रामीण व्यक्ति

आकार - पतली छड़ी, सीधा रास्ता

रंग - सफेद बाल, हरी घास

अवस्था - सूखी डाली, बासी रोटी

काल - आगामी अधिवेशन, पुरानी बात

(२) संख्यावाचक विशेषण

शब्द-युग्म में पहले आने वाला शब्द, जब दूसरे शब्द की संख्या बताता है, उसे 'संख्यावाचक विशेषण' कहते हैं; ऐसे विशेषण दो प्रकार के होते हैं।

(i) निश्चित संख्यावाचक और (ii) अनिश्चित संख्यावाचक

जैसे –

(i) निश्चित संख्यावाचक :

तीन दिन, पहला काम़, तिगुनी फसल, प्रत्येक लड़का

(ii) अनिश्चित संख्यावाचक :

बहुत बच्चे, कई आदमी, कम कॉपियाँ, काफी किताबें

(३) परिमाणवाचक विशेषण

शब्द-युग्म में पहले आनेवाला शब्द जब दूसरे शब्द का परिमाण बताता है, उसे 'परिमाणवाचक विशेषण' कहते हैं । इसके भी दो प्रकार हैं।

(i) निश्चित परिमाणवाचक और (ii) अनिश्चित परिमाणवाचक

जैसे –

निश्चित परिमाणवाचक	**अनिश्चित परिमाणवाचक**
दो मीटर कपड़ा	अधूरा काम
एक किलो आटा	थोड़ा चावल
तीन लिटर तेल	जरा-सी बात

४. सार्वनामिक विशेषण

शब्द-युग्म में पहले आने वाला सर्वनाम शब्द जब बाद में आनेवाले संज्ञा शब्द की विशेषता बताता है, उसे सार्वनामिक विशेषण' कहते हैं; जैसे -

यह किताब	ऐसी घटना	कौन-सी पुस्तक
मेरी कलम	अपनी घड़ी	कोई-सी लड़की
उसका मकान	आपके जूते	जो बच्चे

सार्वनामिक विशषेण तीन प्रकार से आते हैं –

(i) मूल रूप में बिना परसर्ग के - जैसे - यह, वह, वे, कौन, कोई, जो।

(ii) तिर्यक रूप में परसर्ग के साथ - जैसे - मेरा, मेरे, मेरी, अपना, अपने, अपनी, उनका, उनके, उनकी।

(iii) अपने व्युत्पन्न रूप में, जैसे - ऐसा, वैसा, जैसा, इतना, उतना, जितना।

- सार्वनामिक विशेषण के रूप में कोई, कुछ, प्राणी और अप्राणी दोनों के लिए आते हैं।

- निजवाचक सर्वनाम ना /ने/ नी युक्त होने पर सार्वनामिक विशेषण बन जाता है।

अभ्यास

१. विशेषण किसे कहते हैं? इसके भेदों को सोदाहरण बताइए।

२. नीचे लिखे वाक्यों में से विशेषण शब्दों को छाँटिए –

(i) तुम्हारी पुरानी पुस्तक कहीं खो गयी।

(ii) ये आम बहुत मीठे हैं।

(iii) उस लड़के को बुलाओ।

(iv) बूढ़ा आदमी चलते-चलते बैठ गया।

(v) मैंने एक पतली छड़ी खरीदी।

(vi) थोड़ी-सी चाय पी लो।

३. निम्नलिखित विशेषणों में से गुणवाचक, संख्यावाचक, परिमाणवाचक विशेषणों को अलग-अलग कीजिए –

धनवान, मीठा, दोनों, गरीब, बूढ़ा, मेरा, पाँच, थोड़ा, बहुत, तीनों, पूर्वी, काफी, ज्यादा, कायर, ठण्डा, दो किलो, तीन मीटर, चार लिटर, दो दर्जन।

४. 'क' स्तम्भ के विशेषणों के साथ 'ख' स्तम्भ के विशेष्यों (संज्ञाओं) का मिलान कीजिए –

(क)	(ख)	(क)	(ख)
घातक	संकल्प	धार्मिक	दीवार
दृढ़	हत्या	दिमागी	आदमी
निर्मम	जवाब	टूटी	पत्तल
अथाह	चोट	जूठी	काम
मुँहतोड़	जल	देहाती	व्यक्ति

५. नीचे कुछ विशेषण दिये गये हैं। उनके सामने उनका सही संज्ञा शब्द लिखिए–

विशेषण - संज्ञा	विशेषण - संज्ञा	विशेषण - संज्ञा
पापी - पाप	प्रतिष्ठित -	ज्ञानी -
निष्ठुर -	पूज्य -	अच्छा -
घृणित -	बुरा -	अधिकारी -